

तुलू भाषा

प्रलिस के लयि

तुलू भाषा, राज्य की राजभाषा या भाषाएँ, राष्ट्रीय शक्ति नीति

मेन्स के लयि

महत्त्वपूर्ण नहीं

चर्चा में क्यों?

मुख्य रूप से कर्नाटक और केरल में तुलू भाषी लोगों ने सरकार से इसे आधिकारिक भाषा का दर्जा देने और संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का अनुरोध किया है।

- वर्ष 2020 में नई [राष्ट्रीय शक्ति नीति](#) (National Education Policy- NEP) में तुलू को शामिल करने की मांग उठी थी।

किसी राज्य की राजभाषा या भाषाएँ

- भारतीय संविधान का भाग XVII अनुच्छेद 343 से 351 में राजभाषा से संबंधित है।
- संविधान का अनुच्छेद 345 कहता है कि "राज्य का विधानमंडल कानून द्वारा राज्य में उपयोग की जाने वाली किसी एक या अधिक भाषाओं को या हिंदी को उस राज्य के सभी या किसी भी आधिकारिक उद्देश्य के लिये उपयोग की जाने वाली भाषा के रूप में अपना सकता है"

संविधान की आठवीं अनुसूची

- आठवीं अनुसूची से संबंधित संविधानिक प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 344 (1) और 351 में हैं।
- आठवीं अनुसूची के तहत सूचीबद्ध भाषाएँ हैं:
 - (1) असमिया (2) बांग्ला (3) गुजराती (4) हिंदी (5) कन्नड़ (6) कश्मीरी (7) कोंकणी (8) मलयालम (9) मणिपुरी (10) मराठी (11) नेपाली (12) उड़िया (13) पंजाबी (14) संस्कृत (15) संथाली (16) तमिल (17) तेलुगु (18) उर्दू (19) बोडो (20) संथाली (21) मैथिली और (22) डोगरी।
- भाषाओं को संविधानिक संशोधनों के माध्यम से जोड़ा जाता है।

प्रमुख बटि

'तुलू' भाषा के बारे में:

- तुलू (Tulu) एक द्रविड़ भाषा है, जिसमें बोलने-समझने वाले लोग मुख्यतया कर्नाटक के दो तटीय जिलों और केरल के कासरगोड जिले में रहते हैं।
 - दक्षिण भारत के केरल और कर्नाटक राज्यों के तुलू बाहुल्य क्षेत्र को तुलूनाडू नाम से भी जाना जाता है। तुलूनाडू को अलग राज्य का दर्जा देने की मांग की जा रही है।
- [जनगणना 2011](#) के अनुसार, तुलू भाषी (तुलू भाषा बोलने वाले) स्थानीय लोगों की संख्या लगभग 18,46,427 थी।
- तुलू में सबसे पुराने उपलब्ध शिलालेख 14वीं से 15वीं शताब्दी ईस्वी के बीच के हैं।
- कुछ वर्ष पहले कर्नाटक सरकार द्वारा तुलू को स्कूल में एक भाषा के रूप में पेश किया गया था।

तुलू भाषा की कला और संस्कृति:

- तुलू में लोकगीत रूपों जैसे- पददना (Paddana) और पारंपरिक लोक रंगमंच [यक्षगान](#) के साथ एक समृद्ध मौखिक साहित्य परंपरा है।

- तुलु में सनिमा की एक सक्रयि परंपरा भी है, जसिमें प्रतविर्ष लगभग 5 से 7 फलिमें तुलु भाषा में बनती हैं।

मान्यता का मामला:

- **संवधान का अनुच्छेद 29:** यह "अल्पसंख्यकों के हतियों के संरक्षण" से संबंधति है। इसमें कहा गया है कभारत के राज्य क्षेत्र या उसके कसिी भाग के नविासी नागरकियों के कसिी अनुभाग, जसिकी अपनी वशिष भाषा, लपिथिा संस्कृति है, को बनाए रखने का अधिकार होगा।
- **युलु उदघोषणा:**
 - युलु उदघोषणा (Yuelu Proclamation) को **युनेसको** (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 2018 में सेंटरल चीन के हुनान प्रांत के चांगशा में भाषा संसाधन संरक्षण पर पहले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपनाया गया था।
 - यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय, राज्यों, सरकारों और गैर-सरकारी संगठनों से वशि्व में भाषायी विविधता के संरक्षण और संवर्द्धन पर आम सहमतिपर पहुँचने का आह्वान करता है।
- **आठवीं अनुसूची के तहत मान्यता के लाभ:**
 - **साहित्य अकादमी** से मान्यता।
 - साहित्य अकादमी को भारत की **राष्ट्रीय पत्र अकादमी** भी कहा जाता है, जो विभिन्न भारतीय भाषाओं में नहिति साहित्य को संरक्षति करती है और उन्हें बढ़ावा देती है।
 - तुलु साहित्यिक कृतियों का अन्य भाषाओं में अनुवाद।
 - संसद सदस्य (Members of Parliament- MP) और विधानसभा के सदस्य (Members of the Legislative Assembly- MLA) करमशः संसद और राज्य विधानसभाओं में तुलु बोल सकते हैं।
 - सविलि सेवा परीक्षा जैसी अखलि भारतीय प्रतयोगी परीक्षाओं में तुलु में परीक्षा देने का विकल्प।
 - केंद्र सरकार की ओर से वशिष फंड।
 - प्राथमिक और हाईस्कूल में तुलु का अध्यापन।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/tulu-language>

